हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

बारिश के पहले करें आवश्यक तैयारियाँ- कलेक्टर

मण्डला। समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में इस बार समय से पहले मानसून आने की संभावना है इसके लिए आवश्यक तैयारियां बारिश से पहले करना सुनिश्चित करें। लोक स्वास्थ्य एवं पीएचई आपसी समन्वय कर सभी हेंडपंप तथा कुओं में आवश्यकतानुसार क्लोरीनेशन कराएं। क्लोरीनेशन दिनांक का स्टीकर संबंधित जल स्त्रोत पर चिपकाएं। बारिश में डायरिया और दूषित जल से होने वाली अन्य बीमारियों के होने की आशंका होती है। स्वास्थ्य विभाग इसके लिए सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त दवाईयों की व्यवस्था रखें। इसके साथ ही बारिश में ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश के मामले भी सामने आते हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में एंटीवेनम के डोज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग प्रमुख अभी से सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कुटीर-ग्रामोद्योग, फॉरेस्ट तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निम्न गुणवत्ता वाले प्रकरणों को पुनः ओपन करवाकर संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। यह सुनिश्चित करें कि सी एवं डी केटेगरी में कोई भी विभाग न रहे। सीएम डैशबोर्ड के विषय में समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रमुख डैशबोर्ड के बिन्दुओं को गंभीरता से लें। इससे संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं, जिससे विभागीय स्कोर बेहतर हो सके। बैठक में टीएल पत्रों की समीक्षा, प्रधानमंत्री आवास शहरी, गेहूं परिवहन, समग्र ई-केवाईसी, धरती आबा, अपार आईडी, पीएम किसान सम्मान, उच्च न्यायालय की अवमानना, रिट पिटिशन, नरवाई प्रबंधन, विकसित कृषि संकल्प अभियान, फूड ई-केवाईसी, आईटीआई तथा पॉलीटेक्निक में प्रवेश, अंतर्विभागीय बिन्दुओं सहित अन्य विषयों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

घोटखेड़ा के गांव चाटी समनापुर में टैंकरों से आ रहा पीने का पानी

ग्रामीणों के श्रमदान से जुगाड़ का कुआं

*** भीषण गर्मी के बीच पानी को मोहताज।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

आदिवासी बाहुल्य जिला के ग्रामीण और दूरांचल क्षेत्रों में पेयजल संकट गर्मी गहराने लगता है। इस समस्या से ग्रामीणों को निजात दिलाने नलजल योजना से हर घर पानी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें जिले के सैकड़ो ग्रामों में हर घर पानी पहुंच रहा है। बावजूद इसके आज भी ऐसे कई दूराचंल और ग्रामीण क्षेत्र है, जहां पेयजल की समस्या आज भी बनी हुई है। ऐसे ग्रामों में आज तक नलजल योजना का क्रियान्वयन नहीं हो सका है। वहीं कुछ ग्रामों में नलजल योजना के लिए पाईप लाईन तो बिछा दी गई है, लेकिन उन पाइपों में पानी नहीं पहुंच पाया है। जिले के कई ग्रामों में नलजल योजना का कार्य प्रगति पर है, वहां पेयजल के लिए ग्रामीणों को जद्दोजहद करते देखा जा रहा है। जिले में आज भी सैकड़ों ग्राम पानी के लिए त्राहि-त्राहि बाहर माह कर रहे है।

जानकारी अनुसार जनपद पंचायत नारायणगंज की ग्राम पंचायत घोटखेड़ा के ग्राम समनापुर में जल संकट को समस्या बन गई है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम समनापुर में करीब सात हैंडपंप है, लेकिन उनमें से एक ही हैंडपंप से पानी ग्रामीणों को मिल रहा है। ग्राम समनापुर में करीब 1200 की आबादी निवास करती है।

नलजल योजना का लाभ ना मिलने से नदी, नालों में युवाओं द्वारा श्रम दान कर जुगाड़ का कुआं खोद कर प्रदूषित पानी का उपयोग ग्रामीणों को करना पड़ रहा है। जिसके कारण लोगों में संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। इस ग्राम में पानी के साथ नेटवर्क की भी बहुत समस्या है, जल्द ही निराकरण होना चाहिए।

ग्रामीणों ने समस्याओं से अवगत करते हुए बताया कि ग्राम चाटी में पंचायत द्वारा एक टैंकर लगाया गया हे जिससे पेय जल उपलब्ध कराया जाता हे जो दो दिन में एक बार आता है। नहाने धोने ओर पशुओं को पानी उपलब्ध करने के लिए 2 किमी. दूर जाना पड़ता हे, एक हैंडपंप के भरोसे है। वहीं ग्राम में नलजल योजना के लिए गांव में पाईप लाईन तो बिछा दी गई, लेकिन उन पाइपों से अभी ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पा रहा है।

महिलाएं हो रही परेशान

ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के दिनों मे यहां का जलस्तर भी कम हो गया है। एक हैंडपंप के भरोसे पूरा गांव है। पानी के लिए गांव की महिलाओं और बच्चों को सुबह से लाइन लगानी पड़ती है। जिसके कारण रोजमर्रा के दूसरे काम भी प्रभावित हो रहे हैं। पेयजल की व्यवस्था करने के कारण दूसरे जरूरी काम भी प्रभावित हो रहे है। ग्राम की महिलाओं को इस समस्या के कारण ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है।

समस्या निराकरण के लिए बैठक जिसमें नेटवर्क की समस्या व्याप्त है। इन समस्या के निराकरण के लिए गांव के बुजुर्ग, मुखिया, पंच, मुकदम और क्षेत्रीय समाज सेवकों ने एक बैठक आयोजित कर इन व्याप्त समस्याओं के निराकरण पर चर्चा की। बैठक में पेयजल और नेटवर्क की समस्याओं से शासन प्रशासन को अवगत करने सभी ने अपना पक्ष रहा।

नारायणगंज जनपद के कई आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में पेयजल की समस्या प्रमुख है। शासन प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से लेकर इसका निराकरण करें, गांव गांव पेयजल पहुंचने की योजना के कार्य में तेजी से कार्य किया जाना आवश्यक है।,, चाटी और समनापुर में पानी की समस्या विकराल रूप ले चुकी है।

इनका कहना है:-

हमारे गांव में एक ही हैंडपंप के भरोसे पूरा जीवन चल रहा है। युवाओं ने तो श्रमदान करके जैसे-तैसे जुगाड़ का कुआं बना लिया था, लेकिन अब गर्मी आते ही नदी, तालाब और स्टॉप डैम में जो बरसाती पानी जमा था, वह सब सूख चुका है। अब तो हर तरफ पानी की किल्लत है।

-भोला सैयाम, ग्राम समनापुर,

ग्राम चाटी में पंचायत द्वारा एक टैंकर लगाया गया है, जिससे पीने का पानी मिलता है। लेकिन यह टैंकर भी दो दिन में सिर्फ एक बार आता है। नहाने-धोने और हमारे पशुओं को पानी पिलाने के लिए हमें 2 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। जिसके कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है।

-कृपाल सिंह सैयाम, ग्राम चाटी,

ग्राम चाटी में पानी का जल स्तर इतना नीचे चला गया है कि गांव में लगे सारे हैंडपंप सूख चुके हैं, किसी से पानी नहीं आ रहा। पीने के पानी के लिए ग्रामीणों को बहुत दिक्कत हो रही है। गर्मी के मौसम में यह जल समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है।

-नरेंद्र तेकाम, ग्राम चाटी,

नारायणगंज जनपद के कई आदिवासी बाहुल्य गांवों मे पेयजल की समस्या सबसे बड़ी है। शासन-प्रशासन को इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए और इसका जल्द से जल्द समाधान करना चाहिए। गांव-गांव तक पानी पहुंचाने की योजना पर तेजी से काम करने की सख्त जरूरत है। चाटी और समनापुर में तो पानी की समस्या अब विकराल रूप ले चुकी है।

-दुर्गेश सिंगरोरे, समाजसेवी,

युवा संगठन के कार्यकर्ता द्वारा श्रम का दान कर एक मृत पड़े कुए को पुनः जीवित किया गया है पानी की समस्याओं का विकराल रूप देखते हुए गाओ के युवाओं श्रमदान करके खुदाई करके कुआं को साफ किया तथा उसके पानी को पीने लायक बनाया गया है।

-बहादुर पंद्रों समनापुर,

12 पेटियों में रखी कुल 99 लीटर अंग्रेजी शराब एवं टाटा पंच को जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध शराब एवं शराब के अवैध रुप से परिवहन के संबंध में प्राप्त सूचना पर लगातार कार्यवाही की जा रहीं हैं। इसी तारतम्य में प्राप्त सुचना पर कार्यवाही करते हुए टाटा पंच कार में 12 पेटियों में रखी 99 लीटर अंग्रेजी शराब तथा वाहन जब्त कर मामला पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गयी।

आज दिनांक 26 मई 2025 को थाना कोतवाली पुलिस को मिली सुचना के आधार पर थाना प्रभारी निरीक्षक शफीक खान द्वारा टीम को रैड कार्यवाही हेतु लगाया गया। थाना कोतवाली टीम द्वारा बताये गये सफेद रंग की टाटा पंच वाहन जो लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में नाटु कछवाहा के घर के पास खडी थी, कार का दरवाजा खोलकर वाहन की तलाशी लेने पर उक्त वाहन की सीट व डिक्की में 10 पेटी गोवा कम्पनी की शराब प्रत्येक पेटी ने 50. 50 पाव 180 एमएल के एंव 02 खड्डे की पेटी मेकडावल व्हिस्की जिसमे प्रत्येक पेटी में 06, 06 नग बाटल 750 एमएल की अग्रेजी शराब मिली जिसकी अनुमानित कीमत 69000 रूपये एंव शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन सफेद रगं की टाटा पंच कार एमपी 20 जेडई 5895 जिसकी अनुमानित कीमत 600000 रूपये है जब्त किया गया। आरोपियों का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पाये जाने से थाना कोतवाली मंडला में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अज्ञात आरोपियो की तलाश की जा रही है।

उक्त कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मंडला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शफीक खान के नेतृत्व में टीम द्वारा की गयी जिसमें सहायक उप निरीक्षक भुवनेश्वर वामनकर, इडपाचे, आरक्षक सुन्दर, दिपांशु जंघेला, शेखर बनोठे शामिल रहें, उक्त कार्यवाही में सुरेश भटेरे की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहीं।

जल गंगा संवर्धन अभियानः पुरानी स्वीकृति वाले निर्माण कार्य समय पर पूर्ण करें

मण्डला। कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि पुरानी स्वीकृति वाले सभी निर्माण कार्य समय पर खत्म करें। आरईएस के दोनों डिविजन लम्बित कार्यों की सीसी जारी करने के लिए सप्ताहवार कार्ययोजना तैयार करें। तैयार की जाने वाली कार्ययोजना की एक प्रति संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय में जमा कराएं जिससे इसकी मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने कहा कि खेत-तालाब तथा डगवेल रिचार्ज के प्रगतिरत कार्यों को 2 सप्ताह में पूर्ण कराएं। डगवेल के कार्यों में यह सुनिश्चित करें कि खेतों का पानी सीधे कुओं में न जाये। कलेक्टर ने कहा कि जून के मध्य में शीडबॉल के जरिए प्लांटेशन किया जाना है, इसके लिए फॉरेस्ट, आंगनवाड़ी एवं जनपद पंचायतों द्वारा शीडबॉल तैयार की जा रही है। जिले में 1 लाख 51 हजार से अधिक शीडबॉल के जरिए पौधारोपण किया जायेगा।

परिवहन कर्मचारियों को दिखाई उनकी औकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जबलपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में ट्रक चालकों से वसूली कोई आज की बात नहीं पिछले काफी समय से गुंडागर्दी कर ट्रक चालकों को रोका जाता है और उनसे पैसों की वसूली की जाती है। यह पैसा किस बात का और क्यों लिया जाता है यह आज तक स्पष्ट नहीं हो सका है बीच-बीच में लगातार इनकी खबरें और पैसे मांगे जाने के एवं लिये जाने के वीडियों वायरल हुये हैं बावजूद इसके इस तरह की गतिविधि पर न तो कोई रोक लगी है और न ही शासन, प्रशासन के स्तर से इन गतिविधियों को वैध एवं अवैध ठहराया गया है। ये कर्मचारी कौन हैं और क्यों खुलेआम वसूली करते हैं पकड़े जाने पर सफाई में अनाप-शनाप कुछ भी बोलते हैं कल इसी तरह की एक कार्यवाही के दौरान जब ट्रक चालकों ने इन्हें घेरा और इनका वीडियों बनाया तो फिर ये उनके सामने समर्पण करते नजर आये नहीं तो पहले न केवल ट्रक चालक के साथ मारपीट की बल्कि उसके साथी का मोबाइल भी तोड़ दिया था बाद में जब ट्रक चालकों ने दबाव बढ़ाया तो फिर इनको अपनी गलती का एहसास हुआ और ये समझौते की मुद्रा में आये आनन-फानन में जब रास्ता जाम हुआ तो बड़े अधिकारी भी पहुंचे जिन्होंने मामले को सुलझाने का प्रयास किया और चालकों को समझाया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ कि इन कर्मचारियों पर कोई विभागीय कार्यवाही हुई अथवा नहीं।

मेधावी विद्यार्थियों व समस्त शैक्षणिक स्टॉफ को किया गया सम्मानित

भुआबिछिया। रविवार को ग्राम पंचायत माँझीपुर द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में ग्राम स्थित हाई स्कूल माँझीपुर के कक्षा10वीं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए मेधावी विद्यार्थियों व समस्त शैक्षणिक स्टॉफ को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम डॉक्टर विजय आनंद मरावी के मुख्य आतिथ्य, नीरज भट्ट, के विशिष्ट आतिथ्य में माँ सरस्वती के पूजन अर्चन से प्रारंभ हुआ।अतिथियों के स्वागत उपरांत उपस्थित अतिथियों द्वारा शिक्षकों कविता विश्वकर्मा, राकेश नामदेव,अंजुला पटेल,आरती तेकाम,कृष्णा धुर्वे, राजीव कार्तिकेय को उनके अथक प्रयासों के लिए सम्मानित करते हुए शाला में क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त श्रीमन विश्वकर्मा (95.4%), अंकिता भाषन्त (90.8%), शिवानी मरावी (90.4%) को पुरष्कृत किया गया। अपने सारगर्भित भाषण में डॉ मरावी ने बच्चों को अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहते हुए इससे अच्छा परिणाम लाने हेतु प्रेरित करते हुए शिक्षकों से भी ऐसा परिणाम बनाये रखने को कहा ताकि ग्रामीण क्षेत्रों से भी छात्रों का विकास हो सके। कार्यक्रम में सरपंच दीप सिंह मरावी, उपसरपंच नरेश सार्वे सहित ग्राम पंचायत के सभी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नरेश सार्वे व आभार प्रदर्शन दीप सिंह मरावी ने किया।

बैठक | **जन परिषद की प्रथम बैठक में अध्यक्ष का हुआ स्वागत।**

परिषद में होगा स्थानीय मुद्दों पर फोकस

*** जल्द ही प्रदेश स्तरीय बैठक का होगा आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सोमवार को जन परिषद की बैठक आयोजित की गई इस बैठक में उपस्थित समाजिक संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मुकेश सोनी का स्वागत किया गया। यहां पर जन परिषद के उद्देश्य और कार्यगतिविधियों को लेकर नीरज अग्रवाल ने उपस्थित समाजिक कार्यकर्ताओं को अवगत कराया इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने अपने-अपने विचार रखे यहां पर शिक्षा, गरीबी, रोजगार, विकास, रेलबे, यातायात, समाजिक बुराई नशा जैसे तमाम मुद्दों पर लोगों ने विचार रखे इस दौरान जिलाध्यक्ष मुकेश सोनी ने बताया कि जनपरिषद की इकाई का गठन मण्डला में होना है। नियम प्रतिवर्ष नये सदस्यों की सूची एवं पुराने सदस्यों की नवीनीकृत सूची भेजना इकाई की जिम्मेदारी होगी। शाखा में निम्नानुसार पदाधिकारियों का चुनाव मनोनयन किया जायेगा। अध्यक्ष एक, उपाध्यक्ष दो, महासचिव एक, सचिव एक, कोषाध्यक्ष एक, सहसचिव एक, कार्यकारिणी सदस्य, साधारण सदस्य अधिकतम चुनावों के विवाद टालने के लिये बेहतर है कि संस्था के पदाधिकारियों का चयन लोक तांत्रिक ढंग से सर्वसम्मति से हो। चयन के लिये वरिष्ठता के हिसाब से साइकिल पद्धति को प्राथमिकता दी जानी चाहिये। मसलन-सहसचिव अगली अवधि में कोषाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष सचिव, सचिव महासचिव, महासचिव उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, अध्यक्ष तथा अध्यक्ष अगली अवधि में कार्यकारिणी का सदस्य या प्रांतीय इकाई में संभव हुआ तो सदस्य होगा। किसी भी प्रकार का विवाद होने पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष या राष्ट्रीय संयोजक का निर्णय ही अंतिम व सर्वमान्य होगा। विवाद बढने पर भोपाल न्यायालय के अंतर्गत संस्था की प्रांतीय इकाई से औपचारिक गठन की सूचना प्राप्त होने पर शाखा का शुभारंभ विधिवत व समारोह पूर्वक किया जाना अपेक्षित होगा। जिसमें संस्था के सभी पदाधिकारी सदस्यगण एवं नगर के गणमान्य नागरिक रहें ताकि समारोह कार्यक्रम की गरिमा बढ़ सके। साथ ही नवगठित इकाई एवं इकाइयों के पदाधिकारियों से अपेक्षा होगी कि वे अपने क्षेत्र जिले से अधिकतम इकाइयों के प्रस्ताव प्रेषित करे संस्था पूरी तरह गैर राजनैतिक है एवं इसका किसी सम्प्रदाय से संबंध नहीं है। अतः संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष संयोजक को अधिकार है कि वे किसी भी सदस्य इकाई द्वारा संस्था के राजनैतिक या साम्प्रदायिक उपयोग करने पर उसे तत्काल भंग कर सकते हैं। इस दौरान मुकेश सोनी, नीरज अग्रवाल, सुधीर कांसकार, विजय अग्रवाल, मनोज तिवारी, पारस असरानी, दयाशंकर जोशी, अमरेश कुमार, के डी दुबे, सुनील बाली, घंनश्याम बर्मन, रंजीत कछवाहा, दिनेश दुबे, इंद्रेश बब्बल्ल खरया, अमर कुमार सोनी, हेमन्त कुमार श्रीवास, अरविन्द्र ज्योतिषी, महेन्द्र बर्वे, शिवानी बर्वे, बबीता चौकसे, संतोष जायसवाल, राजेश दीक्षित, निकेश्वर पटैल, किशोर रजक, विभू डोंगसरे, प्रहलाद सोनी, आनंद सोनी, प्रमोद दुबे ओमप्रकाश धामेचा, राजा शुक्ला, मुकेश जायसवाल, सुनील कुमार मिश्रा, रामगोपाल पटेल, राजेन्द्र उपाध्याय, गरिमा ताम्रकार, सजय कुमार सिंगौर अशोक सोनी, आर.के.क्षत्री, अनमोल अग्रवाल, आकाश रघुवंशी, राहुल दुबे सहित अन्य समाजसेवी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कौरगांव में हुआ सरपंच कप एलेवन टीम रही विजेता

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

रविवार को ग्राम पंचायत कौरगांव स्थित मिडिल स्कूल ग्राउंड में सरपंच कप सीजन-वन नाइट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रात्रि 8 बजे से अमन एलेवन किले वार्ड मण्डला और कौरगांव टीम के साथ खेला गया। जिसमें मुख्याथिति के रूप में श्रीमति सम्पतिया उइके कैबिनेट मंत्री, संदीप सिंह सदस्य जिला पंचायत, संतोष सोनू भलावी अध्यक्ष जनपद पंचायत, आराधना किशोर चौरासिया सदस्य जनपद पंचायत और सरपंच कालका भलावी, उपसरपंच सतीश सिंगौर, समाजसेवी किशोर चौरसिया, ग्राम पंचायत कौरगांव समाजसेवी पवन रघुवंशी, रूपराम रघुवंशी, दिलीप तिवारी, समाजसेवी आकाश रघुवंशी, सुभाष पटेल, प्रकाश रघुवंशी की उपस्थिति में मैच का आयोजन हुआ। जिसमें कौरगांव की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। वहीं अमन एलेवन ने बल्लेबाजी कर 84 रन का लक्ष्य दिया। कौरगांव टीम ने 72 रन बनाये। अमन एलेवन किले वार्ड की टीम ने 12 रनों से जीत हासिल की। जनपद अध्यक्ष सोनू भलावी ने कहां कि जब मैदान में दो टीम का मुकाबला होगा तो एक टीम का जीत निश्चित है। हारे हुये टीम को निराश नहीं होना चाहिए। संदीप सिंह ने कहां कि दोनों टीम ने अच्छा प्रदर्शन कर विजेता उप विजेता को शुभकामनाएं प्रेषित की। सरपंच ने कहा की यह एक ग्रामीण क्षेत्रों का सरपंच कप सीजन-वन नाइट टूर्नामेंट है यहां पर आने वाले समय में इस ग्राउंड में बड़े-बड़े आयोजन किये जायेगें। उद्धबोधन के पहचात विजेता को सरपंच कप और 35000 रूपये की नगद राशि और उपविजेता को 20000 रूपये सरपंच कप दिया गया। बेस्ट बोलर ओर बेस्ट बेस्टमेन को मेन ऑफ द सीरीज इनाम दिया। आयोजक समिति प्रेम यादव, मनीष सिंगौर, विशाल रघुवंशी, शुभम पटेल, सागर चंद्रोल, कैलाश सिंगौर, लकी रघुवंशी, विशांत रघुवंशी, अंशुल पटेल, रोहन रघुवंशी, विक्की रघुवंशी, रिंकी रघुवंशी का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन राजीव कछवाहा के द्वारा किया गया।

खबर संक्षेप

बंदरों की दहशत से गांवों में मचा हाहाकार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। वर्तमान में क्षेत्र के गांवो के किसानो की विकसित हो रही मूंग, गन्ना सहित अन्य फसलों को जंगली सुअर और आवारा जानवर तबाह कर रहे। वही गांवो में झुंडो में उछल कूंद कर रहे बंदरो की दहशत से शहर के नजदीक के गांवो में हा हा कार मचा हुआ है, किसानों ने बताया कि उनके खेतों में लगी हुई मूंग व गन्ने की फसल को जंगली सुअरों से अधिक बंदर नुकसान पहुँचा रहे है। इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के चलते जहां जंगल में जल स्रोत सूख जाने के कारण अनेक प्रकार के जंगली जानवर गांवों की ओर रूख करते हुये देखे जा रहे है। इस हालत में उन्हें किसानों के खेतों में हो रही सिंचाई के चलते जहां पीने के लिये पानी उपलब्ध हो रहा है तो दूसरी ओर ठंडक रहने के कारण वह वही पर अपना आसियाना बनाने से नही चूक रहे है। इस हालत में किसानों की गन्ना फसल को यह जंगली जानवर चौपट करने में देर नही करते है। वही दूसरी ओर जब किसान अपनी फसल की सुरक्षा करने के लिये पहुंचते है तो जंगली सुअर हमला करने से भी नही चूक रहे है। इस स्थिति के चलते किसानों को आर्थिक नुकसान उठाने मजबूर होना पड़ रहा है। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि गांवों में बंदरो के आतंक को खत्म करने वन विभाग के अधिकारियों से कई बार गुजारिश की गयी। किंतु अभी तक वन विभाग की ओर से जंगलों से पलायन कर गांवों में बंदरो पर अंकुश लगाने की दिशा में कदम नहीं उठाया गया, जिसका परिणाम है कि फिलहाल बंदरो से लेकर जंगली सुअर व अन्य वन्य प्रणाली किसानो की फसलों को नुकसान पहुँचा रहे है। किसानो ने वन विभाग के अधिकारियों से गांवो में डेरा जमाये बंदरो को पकड़ जंगल में छोड़ने की गुहार लगायी है।

शासकीय दुकान के राशन वितरक के साथ की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम मारेगांव निवासी विवेक पिता मोहन लाल पटैल उम्र 29 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि मै ग्राम मारेगांव राशिन दुकान का राशन वितरक व ई के वाय सी का कायम करता हूं। जब बीते हुये दिवस मै राशन दुकान पर उपभोक्ताओं की के बाई सी कर रहा था उसी दौरान ग्राम के विकास अहिरवार आया और बोला की मुझे जल्दी से राशन देव तो प्रार्थी द्वाराक हा कि अभी कार्य चल रहा थोडी देर लगेगी। इसी बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देते हुये पी ओ एस मशीन में तोड़फोड करते

आज शनि जयंती व स्नानदान अमावस्या के चलते नर्मदा तटों पर देखने मिलेगी भीड़, भक्तों के द्वारा बड़े ही धूमधाम के साथ पूजे जावेंगे न्याय के देवता शनि महाराज

वट सावित्री अमावस्या पर महिलाओं ने श्रद्वा के साथ किया पूजन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा

श्रीमति संगीता दीक्षित

श्रीमति विधि महेश्वरी

श्रीमति ईश्वरी कौरव

श्रीमति पुष्पा पटैल

भारतीय संस्कृति में हर त्यौहार का अपना अलग ही महत्व होता है। किन्तु महिलाओं के लिए वट अमावस्या पर्व ऐसा होता है जो उन्हें अखंड सुहाग देने के आलवा संतान देने वाला माना जाता है। यही कारण है कि महिलाएं वट अमावस्या पर हर वर्ष इस त्यौहार को सुहागिनों द्वारा बड़ी ही श्रद्वा के साथ व्रत रख अपने जीवन साथी की दीर्घायु व अपने बच्चों सहित संपूर्ण परिवार की खुशहाली के लिए कामना पूरी करने के लिए वट वृक्षों की पूजन करती है। कुछ इसी प्रकार का महौल बीते हुये सोमवार को देखने मिला। वैसे तो वट अमावस्या व शनि जंयती एक साथ पड़ती है। मगर इस साल तिथि के फेर बदल के चलते जहां वट पूजन का महत्व एक दिन पहले होने के चलते महिलाओं ने बड़े ही धूमधाम के साथ वट सावित्री पर्व मनाया गया। वही आज शति जयंती के मौके पर जहां न्याय के देवता का पूजन होगा। वट अमावस्या के दौरान नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिला महिलाओं ने तहां तहां लगे हुये वट वृक्षों के पास पहुंचकर बड़ी ही श्रद्वा के साथ उनकी पूजा अर्चना की गई जिससे नगर का माहौल धर्ममय दिखाई दिया। बताया जाता है कि वट अमावस्या के चलते महिलाएं संपूर्ण श्रृंगार करने के बाद बरगद सहित अन्य व्यंजन तैयार करने तथा सत्यवान सावित्री की अमर कथा सुनने उतावली होते हुए दिखाई दी। बीते हुये सोमवार को बट सावित्री यानि की ज्येष्ठ मास की अमावस्या की शुभ बेला में पड़ने वाली वट सावित्री अमावस्या पर शहर और के गांवों में चहुंओर लगे हुए वट वृक्षों के पास पूजा की थाली अपने हाथों में लिए सुहागिनी महिलाएं बरगद के पेड़ के समीप खड़ी हुई नजर आ रही थी। इस तरह वट सावित्री अमावस्या तथा सोमवार भगवान शिव जी का प्रिय दिवस यानि की पर्वो के संगम के चलते नगर में जहां तहां लगे हुये बट वृक्षों के पास पहुंचकर महिलाएं अपने हाथों में सूत लेकर वट वृक्ष की परिक्रमा लगाते हुये देखी गई। वही अनेक महिलाओं ने अमावस्या होने के चलते अपने घरों में माँ तुलसी का पूजन भी किया गया। इस मौके पर महिलाओं ने वट वृक्षों की विधि विधान के साथ साथ सत्यवान सावित्री, यमराज सहित अन्य ईष्ट देवों की श्रद्वाभाव के साथ पूजा अर्चना करने के बाद वटवृक्षों के चारों ओर कच्चा सूत लपेटते हुए अपने अचल सुहाग का वरदान मांगा। वही देखा गया कि वट अमावस्या पर महिलाओं ने सुहाग सामग्री का दान कर सत्यवान सावित्री की कथा भी बडे ही उत्साह के साथ सुनी। वही दूसरी इस प्रकार से वट अमावस्या के जहां नगर सहित क्षेत्र में महिलाओं ने बडे ही धूमधाम के साथ पूजन किया गया। वही दूसरी ओर आज मंगलवार को न्याय के देवता शनि भगवान को बड़ी ही श्रद्वा के साथ पूजन करते हुये खुशहाली की प्रार्थना की जावेगी और भगवान शनि को तेल, तिल सहित काले कपड़े अर्पित करते हुए उनकी श्रद्वा भाव से पूजन करने के साथ खुश समृद्वि की कामना की जावेगी। इस प्रकार से वट अमावस्या के अवसर पर नगर की उत्साहित महिलाओं ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए कहा कि हमारे पुराणों में वट अमावस्या पर्व को इसलिए महत्वपूर्ण माना जाता है। क्योंकि यह पर्व उनके जीवन साथियों के कुशल क्षेम से सीधा जुडा होता है। इस संबंध में बारहाबड़ा निवासी श्रीमति संगीता दीक्षित के अनुसार सहागिनी महिलाओं के लिए वास्तव में उसका पति धन होता है उसके खुशहाल, स्वस्थ्य रहने से महिलाओं को गौरव की हमेशा अनुभूति होती है। क्योंकि हमारे हिन्दू धर्म में पति को भगवान का दर्जा देते हुए उसकी पूजा की जाती है और उसी भगवान की खुशहाली के लिए यह वट अमावस्या का वृत रखा जाता है, मैं वर्षो से वट सावित्री अमावस्या पर व्रत रख वट वृक्ष की पूजन कर भगवान से अपनी जीवनसाथी को दीर्घायु देने की प्रार्थना करती है। वट अमावस्या पर्व पर मुझे हिन्दू धर्म की परम्पराओं व मान्यताओं पर गर्व होने के साथ साथ सच्ची आत्म शांति मिलती है। वही हिन्दू धर्म के प्रति अपनी गहरी आस्था रखने वाले व नगर की समाजसेवी विधि महेश्वरी का कहना है कि वट अमावस्या का त्यौहार महिलाओं में धर्म के प्रति निष्ठा जगाने वाला होता है। यह पर्व सुहागिनी महिलाओं को अपने जीवन साथी के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। हर बार वट अमावस्या पर जब में वट वृक्षों व यमराज की पूरी आस्था के साथ पूजन करती हू तो मुझे भरपूर आनंद व शांति का अहसास होता है तथा धर्म लाभ मिलता है। वही समीपस्थ ग्राम महगंवा चिर्रिया निवासी बट सावित्री का वृत धारण करने वाली श्रीमति ईश्वती कौरव का कहना है कि हिन्दू धर्म में मातृशक्ति को अहम माना गया है। क्योंकि एकमात्र मातृ शक्ति ही है जो संसार की रचना करती है। हिन्दू धर्मग्रंथों में ऐसी अनूठी कथाएं है जो महिलाओं को अपने जीवन साथी की सदा रक्षा करने की प्ररेणा प्रदान करती है उसी में वट सावित्री अमावस्या का वृत भी शामिल है। ऐसी ही कथा सावित्री सत्यवान की भी है जिसमें मृत्यु के मुंह में जाने वाले अपने पति सत्यवान को अपने धर्म के प्रति लगाव से यमराज से जीवनदान दिलाया था। वही दूसरी ओर कल सोमवार को जिस प्रकार से वट सावित्री व्रत और सोमवार को दिन एक साथ होने के कारण यह अनूठा धर्म संगम होने से इसका पुण्य अलग ही हो जाता है। इसी प्रकार से ग्राम बारहाबड़ा निवासी श्रीमति पुष्पा पटैल का कहना है कि मेरा मानना है कि हर महिलाओं का अपने जीवन साथियों की खुशी से महिलाओं का भग्य जुडा रहता है इसलिये उनकी लम्बी उम्र की कामना के साथ साथ अपने बच्चों की खुशहाली के लिये व्रत करना जरूरी होता है। वट अमावस्या पर हर साल में अपने जीवन साथी की दीर्घायु की कामना के चलते व्रत रखती हूं और मन में अचल सुहाग का विश्वास लेकर वट वृक्ष सत्यवान सावित्री की पूजर कर शांति का अहसास करती है। इस प्रकार से कल सोमवार को नगर में महिलाओं ने वट साबित्री अमावस्या के अवसर जहां वट वृक्षों की बडे ही धूमधाम व श्रद्वा के साथ पूजन की गई वही अनेक घरों में महिलाओं द्वारा माँ तुलसी माता का पूजन सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

नमामि पैलेस के पास से चारों ने पार किया ऑटो अब बाइक के बाद चोरों की नजर बड़े वाहनों पर

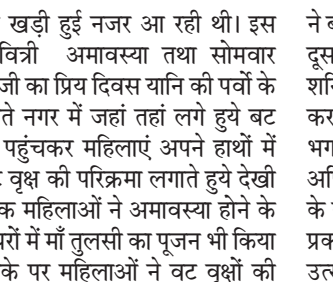

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।। नगर में मोटर साईकिल चोरी की घटनाये तो आये दिन सुनने मिल ही रही है। मगर अब जिस तरह बड़े वाहनों को चोरों द्वारा पार करना शुरू किया गया है। वही निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रहा है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों नगर के नमामि पैलेस में देखने मिली है जहां पर अज्ञात चोरों द्वारा एक आटों को ही पार करते हुये चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार समीपस्थ नर्मदापुरम जिले के हथवास निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैं रेवा सिटी कालोनी हथवास मे रहता हूँ। आटो चलाने का काम करता हूँ बीते हुये दिनों जब में अपने मामा धनीराम पचौरी के लडके की शादी मे सम्मलित होने नमामि पैलेस गाडरवारा अपने काले पीले रंग के BAXYEXPREG आटो से जिसका रजिस्ट्रशन क्रमांक MP05R3608 जिसका इंजन नंबर A7L1145785 -चैचिस नंबर MCS3EAP21JAA07328 जिसका रजिस्ट्रशन मेरे नाम पर पंजीकृत है उसी से आया हुआ था और मैने अपना आटो नमामि पैलेस की पार्किंग मे खडा कर दिया था। मैने जब नमामि पैलेस की पार्किंग मे आकर देखा तो मेरा आटो वहां नही था। इस प्रकार से अज्ञात चोरों द्वारा प्रार्थी के आटों को पार किये जाने के चलते पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। मगर इस तरह अब छोटे वाहनों के साथ साथ बडे वाहन चोरी होने की शुरूआत निश्चित तौर से चिंता जनक बनने से नही चूक पा रही है।

बिजली विभाग की उदासीनता से झूलते हुये तारों का खमियाजा भुगतने मजबूर होते हैं किसान

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा एक ओर अपने बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो सभी प्रकार के माप दंडों का उपयोग करते हुए किसानों से पैसा बसूने में उनके घरों में रखी हुई सामग्री तक जप्त करने से नही चूक रही है? मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपनी विद्युत लाईनों के रख रखाब की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण प्रति वर्ष क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि बिजली विभाग की उदासीनता का परिणाम है कि किसानों के खेतों से निकली हुई बिजली लाईनों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह वर्षो पुरानी होने के कारण उनके तार झूला के समान झूलते हुए दिखाई दे रहे है और वह तार जरा से हवा चलते ही एक दूसरे से टकरा जाने की स्थिति में आग की चिन्गारी छोड़ना चालू कर देते है। इसके चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसलों में आग लग जाने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए प्रतिवर्ष मजबूर होते हुए देखा जाता है, जिसका उदाहरण इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने भी मिल रहा है जहां पर किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले आये दिन आग से जलकर खाक होने से नही चूक रही है। क्योंकि क्षेत्र के गांवों की मेन्टेनेस व्यवस्था पर बिजली विभाग द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण गांवो में किसानों की सिंचाई हेतु स्थापित किये गये ट्रांसफार्मर भी जल जाते है जिनकों बदलवाने के लिए क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग के अधिकारियों के अनेक चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस स्थिति में देखा जावे तो जहां किसानों के खेतों में आग लगने के कारण उन्हें आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ता है वही दूसरी ओर कई दिनों तक बिजली बंद रहने के कारण उनकी सिंचाई का कार्य भी प्रभावित होता है। इस प्रकार से क्षेत्र के किसानों के खेतों में खडी हुई फसलों के ऊपर झूलते तारों के चलते दहशत में दिखाई पड़ रहे है और समय रहते हुए यदि बिजली विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही क्षेत्र के किसानों को फिर आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

करोड़ों की लागत से बनी सीमेन्ट सड़क के निर्माण गुणवत्ता पर खड़े हो रहे सवाल?

हरिभूमि न्यूज/सिंहपुर छोटा। सरकार द्वारा जिस प्रकार से ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सुविधाएं प्रदान करने की सोच को ध्यान में रखते हुये करोड़ो रूपया खर्च करते हुये गांव गांव पक्की सुविधा जनक सड़को का निर्माण कार्य कराया जाता है। मगर निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सियों द्वारा उन निर्माण कार्यो को अधिकारियों की मिलीभगत के माध्यम से किया जाता है वह चंद दिनों ही चल पाने से नही चूक पाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय करोड़ो रूपया की लागत से कुछ साल पहले ही निर्मित हुई सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका सीमेन्ट सड़क के निर्माण कार्य की गुणवत्ता उभर कर सामने आने लगी है। बताया जाता है कि इस सीमेन्ट सड़क के निर्माण कार्य को लेकर निर्माण कार्य के शुरूआती तौर से ही सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे थें। क्योंकि लगभग तीन वर्ष पहले सड़क का जब निर्माण कार्य की शुरूआत हुई थी तो निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा जिस प्रकार से सड़क निर्माण के नाम पर सड़क के दोनों ओर लगे हुये सैकड़ो पेड़ो को कत्लेआम किया गया था। मगर वह पेड़ कहा गायब हो गये इस बात का आज तक किसी को पता नही है? वही दूसरी ओर जब सड़क का निर्माण कार्य शुरू हुआ तो इस मार्ग पर बर्षो पुरानी बनी हुई पुलियों के ही भरोसे सड़क का निर्माण किया जा रहा है जिसके चलते जहां सड़क की लम्बी उम्र पर अपने आप ही विराम लगते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा था? मगर समय रहते हुये जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि सड़क में जहां तहां निकल रही दरारे अपनी गुणवत्ता की कहानी खुद ही बताते हुये दिखाई देने लगी है। इस तरह अपने निर्माण के चंद महिनों उपरांत टूटते हुये दिखाई पड़ रही इस सड़क को लेकर क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जिस गुणवत्ता के साथ यहां पर सड़क का निर्माण कार्य किया गया है वह निश्चित ही इस सड़क के लिये निर्धारित किये गये मापदंडो से काफी विपरित नजर आ रहा है जिसके चलते यह सड़क ज्यादा दिनों तक चल पाये यह संभव होते हुये दिखाई नही दे रही है। यदि निष्ठा के साथ इस सड़क निर्माण की जांच होती है तो निश्चित तौर से चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने के साथ साथ अनेक जिम्मेदार अधिकारियों की कहानी उजागर होने से नही बच पायेगी?

बिजली विभाग की उदासीनता से पड़ सकती हो लोगों की जिन्दगी खतरे में

हरिभूमि न्यूज/चीचली

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाने के बाद अधिकारियों द्वारा घटित होने वाली घटना की सच्चाई छिपाने के लिये अनेक प्रकार के बहाने बनाने से नही चूकते है मगर यदि समय रहते हुये सचेत होकर स्थिति में सुधार किया जावे तो निश्चित तौर इस प्रकार की घटनाओं को घटित होने से रोका भी जा सकता है? क्योंकि सच्चाई से अवगत होने के बाद भी उदासीन कार्य प्रणाली का परिणाम ही होता है कि बड़ी घटनाएं जन्म लेने से नही चूकती है कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय चीचली के कुछ वार्डो में देखने मिल रही है जहां पर लगे हुये वर्षो पुराने बिजली के लोहे खम्बे इस स्थिति में पहुंच चुके है कि वह अपने जमीनी स्तर के भाग से पूर्णरूप से टूटने की कगार पर पहुंच जाने के बाद भी बिजली विभाग द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि यदि जंग के शिकार हुये इस खम्बों पर जिस प्रकार से बिजली विभाग द्वारा विद्युत लाईन का संचालन किया जा रहा है वह किसी दिन गिरने के कारण आसपास रहने वाले लोगों की जिन्दगी के लिये बड़ा खतरा का कारण बन सकते है? इस सच्चाई को लेकर बिजली विभाग को अवगत कराये जाने के बाद भी बिजली विभाग द्वारा ध्यान न देना निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ रहा है।

नगर की सड़कों पर पशुओं का टकराव जारी, वाहन चालकों की मुसीबतें बढ़ी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर नगर की यातायात व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भरोसे चलते हुए देखी जा रही है, वही दूसरी ओर आवार जानवरों के शहर भर में विचरण करने से भी यातायात काफी हद तक प्रभावित होते हुए देखी जा रही है। इस सच्चाई को स्थानीय अखबारो द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी कोई पहल न होना निश्चित ही चिंताजनक सच्चाई सामने आ रही है? जबकि गौर किया जावे तो नगर के लोगों द्वारा लम्बे अरसे से हस प्रकार आवारा घुमने वाले पशुओं पर अंकुश लगाने के लिये गुहार लगायी जाती रही है मगर इस ओर नपा प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम हे कि आवारा जानवर सड़को पर मस्ती के मूढ में आते हुये आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बनने से नही चूक रहे है।

जबकि लोगों की मांग है कि इन आवारा जानवरों को पकड़ने की व्यवस्था कर उत्पाती पशुओं को कांजी हौस में बन्द कर पशु पालकों को सबक सिखाये। मगर इसके बाद भी नपा प्रशासन द्वारा नगर में स्वच्छंद घूमने वाले जानवरों को नियंत्रण मे रखने के संबंध में कोई पहन न करना चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ने से नही चूक पा रहा है। वर्तमान में देखा जावे तो नगर के स्टैट स्तर के हाइवे मेन बाजार सहित जनपद कार्यालय व बच्चों के स्कूलों के आसपास दिन रात आवार जानवर आतंक मचाते नजर आ ही रहे है, इसके अलावा रात के समय में नगर की शालाओं के परिसरों, थाना प्रांगण, शासकीय कार्यालयों के घेरों में भी घरों से बेदखल जानवरों का जमावड़ा दिखायी पड़ने से नही चूक पा रहा है। नगर की मुख्य सड़क से लेकर कालोनियों की सड़को पर घूमने वाले इन पशुओं में आपसी लड़ाई का नजारा तो इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह घंटो तक नगर की सड़को पर जाम की स्थिति निर्मित करने से नही चूकते है, जिसके चलते नगर की सड़को से निकलने वाले वाहन चालक असुरक्षित हो जाते है, क्योंकि इस प्रकार से मुख्य मार्गो पर मटर गस्ती के रूप में भ्रमण करने वाले पशुओं के कारण आये दिन स्कूली छात्र छात्राओं सहितत आम लोगों को घायल होते हुए देखा जाता है। इसी के चलते नपा प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि वह अवारा जानवरों को चिन्हित कराये तथा उन्हे उन बेरहम पशु पालकों के हवाले करे जो दूध देने वाली गाय के गले मे तो घंटी बाँध उसकी पूजा करते है पर जैसे ही उसने दूध देना बन्द किया निर्मम ढंग से उसे आवारा जानवरों की जमात मे शामिल कर देते है।

मिलावटी ईधन से जहर उगल रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। मिलावट के युग मे वाहनों मे प्रयुक्त हो रहे पेट्रोल डीजल के शुद्ध होने की कल्पना करना ही व्यर्थ है,क्योंकि इसके पूर्व जब नगर में चंद पेट्रोल पंप हुआ करते थे तो उन पर मिलने वाले पेट्रोल व डीजल की गुणवत्ता पर विश्वास किया जाता था, मगर इस समय देखा जा रहा है कि शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खुल रहे पेट्रोल पंपो के चलते उनसे मिलने वाले ईधन की गुणवत्ता पर विश्वास करना एक मुश्किल भरा काम हो गया है? बताया जाता है कि इस तरल ईधन मे मिट्टी के तेल की मिलावट होने से वाहनों से निकलने वाला सफेद गाढ़ा काला धुआं लोगों के स्वास्थ्य को खराब कर रहा है,संबंधित विभागीय अधिकारी कभी कभार इक्का दुक्का वाहनो को पकड़कर मात्र अपनी औपचारिकता निभा खानपूर्ति कर विज्ञप्तियों के माध्यम से वाह वाही लूटने मे परहेज नही कर रहे है? नगर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़ने वाले सैकड़ो ऐसे वाहन होते है, जिनमे शुद्ध रूप से पेट्रोल व डीजल का उपयोग नही हो रहा है? क्योंकि सड़को पर दौड़ने वाले इन वाहनों में मिलावटी ईधन के कारण इन वाहनों से जो सफेद काला गाढ़ा धुआं निकलता है,उसमे कार्बन की संख्या अधिक रहती है,वायु के साथ कार्वन के ये न दिखने वाले कण वाहनों के आस पास मौजूद लोगों के शरीर मे प्रविष्ट होते ही है साथ ही कपड़ों मे भी चिपक जाते है,लोंगों द्वारा रूमाल से अगर चेहरा या शरीर पोछा जाता है तो वह काला हो जाता है, इस समय देखा जा रहा है कि भारी वाहनों विशेषकर ट्रक, डम्फर तथा जीप व क्षेत्र में संचालित टैक्सियों मे डीजल का प्रयोग किया जाता है, उसमें वाहन माहिलों द्वारा सर्वाधिक मिलावट की जाती है,हलांकि पेट्रोल चलित वाहनों विशेषकर दुपहिया वाहनों जिनकी संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, अतःउनके द्वारा भी वातावरण को प्रदूषित करने के आलावा लोगों को बीमारियां परोसी जा रही है, चिकित्सकों का कहना है कि वातावरण मे कार्वन की मात्रा बढ़नें के कारण शहर के लोगों मे श्वास व ह्दय रोग संबंधी शिकायतें बढ़ गयी है।

अतिक्रमण हटाने में नाकाम साबित हो रहा प्रशासन, मुसीबत में फॅसे राहगीर व वाहन चालक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। वर्तमान में शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र प्लोटन गंज, राठी तिराहे, शासकीय शालाओं के इर्द गिर्द शुक्रवार बाजार, मंदिरो, मस्जिदो के सामने पसरे अतिक्रमण से जहां शहर को सौन्दर्यीकरण खतरे में पड़ गया है। वही शहर में चौतरफा हुए अतिक्रमण से राहगीरो, वाहन चालकों का सड़को से गुजरना दूभर होता जा रहा है। गौरतलब है कि नगर में इस समय नजूल, नपा.लोक निर्माण विभाग द्वारा अपनी बेश कीमती भूमि की परवाह न करने से अतिक्रमणकारियो के हौसले बुलन्द हो गए है, जिसके चलते सड़कों के किनारो, चौराहो के नजदीक शासकीय भूमि का दुरूपयोग करते हुए अतिक्रमणकारी ठेले रख रहे है। वही देखा जा रहा है कि नगर में जहां तहां खाली पड़ी शासकीय भूमि पर लोगों द्वारा खुलेआम कालोनियों का निर्माण किया जा रहा है? जिससे नगर का स्वरूप बिगाड़नें का प्रयास कर रहे है, इस बेजा हो रहे अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था तो चौपट हो ही रही है साथ ही शहर में जहां तहां जाम लगने, दुर्घटनाएँ होने के अंदेशा सदा बना रहता है। विदित हो कि शहर के प्रमुख बाजार में जहां अनेक व्यापारी आधी सड़क पर कब्जा जमा अपनी दुकानो का सामान प्रदार्शित करते है तथा झंडाचौक पर मनमर्जी से दुकानें लगाने से शाम के समय सड़को से निकलना मुश्किल हो जाता है। इसी तरह शैक्षणिक संस्थाओं के इर्द गिर्द अतिक्रमणो की बाढ़ आने से शालाओं में पहुँचने वाले बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। ज्ञातव्य है कि बैंकों, सब्जी बाजार, अनेक शासकीय कार्यालयो में वैसे भी पार्किंग व्यवस्था का अभाव है तो दूसरी ऊपर से नगर में अतिक्रमण की अमरबेल फैलती चले जाने से विकसित हो रहे नगर की ट्रेफिक व्यवस्था पंगु होती जा रही है। शहरवासियो का कहना है कि शहर में धड़ल्ले से चहुँओर अतिक्रमण होने से गाडरवारा की पहचान मुश्किल भरे शहर के रूप में बनती चली जा रही है और बेतरतीब बसाहट, ठेले, ठिलियो का जाल फैलने से नगर की सुंदरता को ग्रहण लगने लगा है, बेबाक लहजे में कुछ लोगो का कहना है कि वास्तव में अतिक्रमण फैलाने की बीमारी राजनीतिक पहुँच वाले असरदारों की देन है? इसलिए जब भी प्रशासन कोई अतिक्रमण विरोधी मुहिम शुरू करता है वे उसके सुर में सुर मिलाकर अपना अतिक्रमण हटाने की बजाय शासकीय भूमि पर टपारिया बनाकर रहने वालो व चाय पान का ठेला लगा अपनी जीविका चलाने वाले नौजवानो का बालि का बकरा बना देते है। इन लग्जरी रंगी बिरंगी कार मेनो की इस तिकडम का नतीजा है कि नगर अतिक्रमण मुक्त नहीं हो पा रहा है और शहर में खुलेपन का माहौल नही बन पा रहा है, प्रशासन, नपा. से शहर के निवासियो ने गुहार लगायी है कि वह शहर को अतिक्रमण के जंजाल से मुक्त करने की दिशा में पहल करें।

खबर संक्षेप

घायल व्यक्तियों को डायल 100 ने पहुँचाया अस्पताल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर के थाना राजेन्द्रग्राम क्षेत्र में सवारी ऑटो अनियंत्रित होकर पलट जाने से 02 व्यक्ति घायल हो गए है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में दिनाँक 26-05-2025 को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल राजेन्द्रग्राम थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ प्रधान आरक्षक विमल सिंह एवं पायलेट संतोष मिश्रा ने मौके पर पहुँचकर बताया कि सवारी ऑटो अनियंत्रित होकर पलट जाने से मोहित पिता वंशगोपाल उम्र 25 वर्ष तथा चंदा बाई उम्र 30 वर्ष सभी निवासी बरगी घायल हो गए थे। डायल-112/100 जवानों ने दोनों घायलों को एफ़ आर व्ही वाहन से ले जाकर राजेन्द्रग्राम अस्पताल में भर्ती करवाया। डायल-112/100 जवानों की तत्परता से घायलों को समय पर उपचार मिला।

पवित्र नगरी अमरकंटक में नौतपा के दूसरे दिन झूमकर बरसे बादल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में नौतपा के दूसरे दिन उमड़ घुमड़ कर बरसे बादल फलस्वरूप अमरकंटक नगर का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहा वहीं न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रहा वर्षा होने से तापमान नीचे गिर गया पारा नीचे आ गया पवित्र नगरी अमरकंटक के वार्ड नंब 1 एवं 3 हिंडालको वार्ड नंबर 2 एवं 4 बाराती एवं काटजू ग्राम तथा नाका में जोरदार बारिश हुई तथा वैतरणी नर्मदा मंदिर के आसपास सामान्य बारिश हुई आज सुबह से ही अमरकंटक नगर में बादल उमड़ घमड रहे थे अंततः ढाई बजे के बाद बारिश हुई मौसम अच्छा खासा सुहाना हो गया। नौतपा के पहले दिन भी हल्की धूप रही फलस्वरूप ज्यादा गर्मी महसूस नहीं की गई।

बम्हनी, छिल्पा तथा जमुनिहा में विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम 29 को

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शासन के निर्णय अनुसार विकासखण्ड अनूपपुर के ग्राम पंचायत बम्हनी, छिल्पा तथा जमुनिहा में 29 मई को विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम अन्तर्गत कृषकों को केन्द्रीय योजनाओं एवं मध्यप्रदेश शासन की प्रमुख योजनाओं, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा इजाद की गई नवीन/उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी तथा कृषि में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी दी जाएगी।

चचाई पुलिस द्वारा आईपीएल सटोरिया के खिलाफ की कार्यवाही

चचाई। पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान के मार्गदर्शन में एवं अतिरिक्त अधीक्षक इसरार मंसूरी के निर्देशन में, मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि अमलाई का शिवकुमार गुप्ता द्वारा आईपीएल क्रिकेट में ऑनलाइन सट्टा खेल अपने घर में खेला रहा है, सूचना पर एसडीओपी अनूपपुर सुमित क्रिकेट्टा एवं थाना चचाई की पुलिस टीम के द्वारा पर मौके से शिव कुमार के घर में रेड कार्यवाही की गई तो शिवकुमार गुप्ता अपने घर के तीसरी मंजिल वाले कमरे में आईपीएल क्रिकेट सट्टा खेल खेलते ऑनलाइन पाया गया नाम पता पूछने पर अपना नाम शिव कुमार गुप्ता पिता स्वर्गीय रामसेवक गुप्ता उम्र 55 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 6 दुर्गा मंदिर के पास अमलाई का होना बताया जो आईपीएल क्रिकेट grandexch.com एप्स 200000 rs coin खरीद कर उक्त एप्स के माध्यम से सट्टा खेल खेलाते मौके से पाया गया जिसके पास से नगद 9935/- रुपए एवं एक नग वन प्लस मोबाइल कीमत 20000 कुल कीमत 29935/- रुपए मौके से जप्त कर धारा 4(क)सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई तथा grandexch ऐप्स में 4,50,000 /- रुपए करीब का ट्रांजैक्शन पाया गया एवं इसके स्टेट बैंक आफ इंडिया के खाता में 16000 एवं बैंक ऑफ़ बड़ौदा में 63000/- rs कुल 79000/- मिला उक्त दोनों खातों को भी फ्रिज कराया गया है।

ग्रामीणों ने जबलपुर अमरकंटक नेशनल हाईवे में जोगी टिकरिया पुल के पास लगाया जाम

सडक निर्माण की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

प्रशासन की समझाइश के बाद हुआ धरना समाप्त

हरिभूमि न्यूज, डिण्डौरी।

कोतवाली थाना अंतर्गत जोगीटिकरिया पुल के नजदीक सुबखार रैयत और नर्मदा वैली के रहवासियों ने सडक निर्माण की मांग को लेकर सोमवार की सुबह जबलपुर अमरकंटक नेषनल हाईवे मार्ग में जाम लगा दिया । सूचना के बाद राजस्व और पुलिस अमला पहुंचा, जिनके द्वारा ग्रामीणों को समझाईष दी गई तब जाम खत्म हुआ

और यातायात बहाल हो सका । चक्का जाम कर रहे ग्रामीणों ने बतलाया कि ग्राम पंचायत सुबखार रैयत अंतर्गत लामू दास के घर से जबलपुर डिण्डौरी पहुंच मार्ग तक कच्चा रास्ता है, जिसमें लगभग 40 वर्षों से ग्रामीण आना जाना कर रहे हैं । मार्ग पूरी तरह से जर्जर है, मार्ग में बडे - बडे पत्थर होने के अलावा आधे से अधिक मार्ग के हिस्से में बारिष के दौरान कीचड और दल दल हो जाता है, जिससे आने जाने में खासी परेषानी पेष आती है । यहां से आम आदमी सहित स्कूली बच्चों का भी आना जाना होता है । लेकिन बारिष के दौरान दल - दल और कीचड होने के कारण पैदल चलना दूभर है । आवागमन के दौरान कई दफा हादसे भी हो चुके हैं । विगत कई वर्षों से इस मार्ग में पक्की सडक निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन ग्राम पंचायत और प्रषासन की अनदेखी के कारण अब तक निर्माण कार्य नहीं किया गया है । ग्रामीणों ने बतलाया कि विगत 8 माह से जनसुनवाई सहित सीएम हेल्पलाईन में षिकायत दर्ज कराई जा रही है, लेकिन कोई निराकरण नहीं हुआ वहीं तहसीलदार कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है तकनीकी समस्या का हवाला देकर टाल दिया जाता है । इस संबंध में तहसीलदार आर.पी. मार्को ने बतलाया कि सडक निर्माण में 11 लोगों की निजी जमीन आती है, सात भूमि स्वामियों ने सहमति दे दी है, लेकिन चार भूमि स्वामी सहमति नहीं दे रहे हैं । सभी की सहमति मिलने के बाद ही आगामी कार्रवाई की जायेगी । ग्रामीणों द्वारा लगभग आधे घंटे तक मुख्य मार्ग में धरना देने के कारण वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद रही और मार्ग के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लगी रही । ग्रामीणों द्वारा मांग की जा रही थी कि बारिष के पूर्व पक्का मार्ग का निर्माण किया जाये । हलांकि मौके पर पहुंचे राजस्व अमला और पुलिस प्रषासन की समझाईष के बाद धरना समाप्त हुआ ।

तालाब गहरीकरण के नाम पर भ्रष्टाचार

दो भागों में विभाजित हुआ बेस्टवेयर

ग्रामपंचायत व सब इंजीनियर पर मिलीभगत के लग रहे हैं आरोप

डिण्डौरी – जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्रामपंचायत सारंगपुर में रोजगार गारंटी योजना के तहत कराए गए निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार की बानगी देखने को मिली है जहां जिम्मेदारों द्वारा तालाब गहरीकरण व बेस्टवेयर के निर्माण में गुणवत्ताहीन मटेरियल का इस्तेमाल कर घटिया निर्माण करने का मामला सामने आया है। ग्राम के बड़े टोला में शंकर के खेत के पास बने तालाब में गहरीकरण के कार्य के दौरान ओवरफ्लो पानी के निकासी के लिए कांक्रीट से बेस्टवेयर का निर्माण कराया गया था जो कि घटिया निर्माण के चलते दो भागों में विभाजित हो गया है। बेस्टवेयर के निर्माण में किस कदर भ्रष्टाचार किया गया है जिसका अंदाजा दो भागो में फटी हुई दीवार को देखकर बड़ी आसानी से लगाया जा सकता है। ग्रामीणों ने बताया की करीब 9 महीने पहले ही रोजगार गारंटी योजना के तहत करीब 12 लाख रुपए की लागत से तालाब गहरीकरण व बेस्टवेयर का निर्माण ग्राम पंचायत के द्वारा कराया गया था जो पूरी तरह से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। ग्रामीणों ने ग्रामपंचायत के जिम्मेदारों पर सब इंजीनियर से मिलीभगत के आरोप लगाते हुए जांच की माँग की है। ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत भी अधिकारियों से की है लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने अब तक इस मामले में जांच कराना तक जरूरी नहीं समझा है

सचिव रहता है नदारत – ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत सचिव कार्यालयीन कार्यों में रुचि नहीं रखने की वजह से हितग्राही मूलक कार्य समय पर नहीं हो पाते। सप्ताह में दो या तीन दिवस ही सचिव का कार्यालय में आना होता है बताया गया कि सचिव के मुख्यालय में नहीं रहकर जिला मुख्यालय से अपडाउन करने की वजह से कई योजनाएं प्रभावित हो रही है जरूरी कार्य से ग्राम पंचायत में आए हुए हितग्राहियों को सचिव की गैर मौजूदगी में यहां वहां भटकना पड़ता है और समय पर उनके कार्य नहीं हो पाते।

सर्व शिक्षा अभियान के द्वारा स्कूलों कराये गये 20 हजार शौचालय मरम्मत कार्यों की जॉच एवं सत्यापन के निर्देश

कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई समय-सीमा की बैठक

हरिभूमि न्यूज, डिण्डौरी।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने सोमवार को कलेक्टर सभागार में समय-सीमा की बैठक ली। उक्त बैठक में जिले में चल रही योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा एश्वर्य वर्मा, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, एसडीएम सुश्री भारती मेरावी सहित समस्त अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर नेहा मारव्या ने कहा कि सर्वशिक्षा अभियान विभाग के द्वारा संचालित स्कूलों में बीस हजार शौचालय मरम्मत के कार्य किए गए जिस पर कलेक्टर ने पटवारी द्वारा जांच कराते हुए एसडीएम सत्यापन रिर्पोट प्रस्तुत करेंगे। कि किया गया मरम्मत कार्य छात्र-छात्राओं के अनुरूप हुआ।कलेक्टर ने अपर कलेक्टर, नाजिर को शिक्षा विभाग कि पूरक परीक्षाओं कि व्यवस्थाओं हेतु शासन से प्राप्त आबंटन को तत्काल जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर नेहा मारव्या ने ग्रामीण विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों (एई एवं एपीओ) को निर्देश दिए कि जल गंगा संर्वधन अभियान से जुड़ी एएस, टीएस एवं निर्माण कार्यों को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता में रखें जाएं और इसमें कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले नजूल अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि लंबित राजस्व वसूली को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। अन्यथा की स्थिति में संबंधित अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने समस्त तहसीलदारों को निर्देश दिए कि ऐसे सभी अवैध निर्माणों की पहचान कर अवैध पट्टों को निरस्त किये जाएं। साथ ही पट्टे की आड़ में किये गए अतिक्रमण को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर नेहा मारव्या ने जिले में हो रहे अवैध खनन एवं परिवहन को लेकर, सभी तहसीलदारों को निर्देश दिए कि अवैध खनन एवं परिवहन को तुरंत रोका जाए। अवैध खनन की शिकायतें मिलने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य और खाद्य विभाग को निर्देश दिए, कि जिले में बिकने वाली खाद्य सामग्री की नियमित जांच करें। खासतौर पर मेवा मिष्ठानों, होटलों और रेस्टोरेंट्स में सफाई और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि भोजन की शुद्धता में कोई समझौता न हो। कलेक्टर नेहा मारव्या ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि जिले में लगे हाईटेंशन तारों की उचित निगरानी की जाए ताकि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। बार बार देखा गया कि समाचार पत्रों में हाईटेंशन तार की घटना प्रकाशित होती रहती है, जिस पर कलेक्टर ने कहा कि सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए तत्काल सुधारात्मक कार्य करें। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्याएं देखने को मिल रही है, जिस पर कलेक्टर ने पिपरिया, सेंदुरखार टोला में पेयजल व्यवस्था एवं पाइपलाइन बिछाने के निर्देश दिए और जब भी पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जाए तो वह सड़क के बीच में इस तरह से न हो कि यातायात बाधित हो। कलेक्टर ने समस्त तहसीलदार को ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में अवैध रूप से बिक रही शराब पर रोक लगाने के निर्देश दिए एवं संबंधित पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। समस्त जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तथा अन्य निर्माण विकास कार्यों की कार्यवाही पूर्ण कर लें ताकि आने वाले वर्षा के पानी को तालाबों में संग्रहण किया जाए और आने वाली पानी की समस्या को कम किया जा सके।

नाली निर्माण में भी की जा रही है लीपापोती

हाईवे निर्माण में अनियमितता बरतने के आरोप

ठेकेदार की कार्यप्रणाली से ग्रामीण नाराज

हरिभूमि न्यूज, डिण्डौरी।

अमरकंटक से जबलपुर तक नेषनल हाईवे सडक निर्माण का कार्य चल रहा है । इस सडक निर्माण का ठेका पॉच हिस्सों में अलग - अलग ठेकेदारों को दिया गया है । जिसमें डिण्डौरी से अमरकंटक तक सडक निर्माण कर रहे ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने का आरोप लग रहे हैं । करंजिया विकासखंड अंतर्गत कस्बा गोरखपुर में इन दिनों हाइवे चैड़ीकरण का काम चल रहा हैं, जहां ठेकेदार की मनमानी कार्यप्रणाली से कस्बावासी नाराज हैं दरअसल कस्बा के अंदर पहले से बने पुराने सीसी सड़क को खोदे बिना ही उसी के ऊपर नया मटेरियल डाल कर निर्माण कार्य किया जा रहा है । जबकि नियमानुसार पुराने सड़क को उखाड़कर नया सड़क बनाना था लेकिन ठेकेदार ने ऐसा नहीं किया स्थानीय लोगों की मानें तो लगभग सवा किमी की सड़क को यूं ही बनाकर पैसा बचा लिया जाएगा। लेकिन लोगों के मुताबिक नियमों को ताक में रखकर बेखौफ निर्माण कार्य कराया जा रहा हैं। इसी प्रकार नाली निर्माण में भी लापरवाही बरती गई पूरे कस्बा में सही तरीके से नाली का निर्माण नहीं कराया गया हैं जब इस बात को लेकर शारदा मोहल्ला के नागरिकों ने ठेकेदार के खिलाफ विरोध तेज किया तो आनन फानन में नाली की ऊंचाई कम करने मशीन से तुड़वाया गया लेकिन जहां ऊंचाई कम करना था उस स्थान पर नाली को तोड़कर एक सप्ताह से यूं ही खुला छोड़ दिये हैं जहां लोगों को घरों तथा दुकान आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है खासकर छोटे बच्चों को चोट लगने का डर हैं बावजूद इसके कोई ध्यान नहीं दे रहा।

मापदंड के हिसाब से बने सड़क

रविवार को पंच पति शिवचरण धुर्वे, ब्रजेश कुशराम सहित दर्जनों कस्बा वासियों ने मांग किया हैं कि इस सड़क निर्माण के लिए शासन ने जो मापदंड तय किए हैं उसके हिसाब से सड़क का निर्माण कराया जाएं पुराने सड़क को खोदकर नया सड़क बनाया जाए ताकि यह मजबूत और टिकाऊ बन सकें, क्योंकि शासन स्तर से इतनी बड़ी राशि का बार-बार स्वीकृत होना असंभव हैं वैसे भी इस मार्ग से हजारों नर्मदा भक्तों का आना जाना रहता हैं यह अमरकंटक को जोड़ने वाला एक मात्र सीधा रास्ता हैं ऐसे में दर्शनार्थियों को कोई कष्ट न पहुंचे और आसानी से दर्शन कर लें यह जिम्मेदारों को सुनिश्चित करना हैं। व्यवस्थित हो नाली -सड़क निर्माण के पूर्व हाइवे के दोनों ओर बेतरतीब ढंग से बने नाली ने स्थानीय लोगों की समस्याओं को काफी हद तक बढ़ा दिया हैं, स्थानीय नागरिक भरत साहू ने बताया कि शारदा मोहल्ला में जहां सड़क से काफी ऊपर नाली बना दी गई थी मोहल्ले के लोगों ने विरोध किया तब जाकर ऊंचाई कम करने के लिए तैयार हुए वहीं पूर्व पंच शकीला कुरैशी ने बताया कि चैराहे के आसपास नाली नीचे और सड़क ऊपर हैं कुछ स्थानों पर अभी से नाली टूटने लगी हैं इसे देखकर लगता हैं कि इस नाली की उम्र ज्यादा नहीं है कभी भी भरभराकर गिर सकता हैं। जबकि यह होना था कि नाली को सड़क के ऊपर बनना था लेकिन अफसोस मनमानी और लापरवाही ने करोड़ों रुपए के लागत से बने नाली को यूं ही बना कर चलें गये अब बरसात का पानी घरों में प्रवेश करेगा गंदगी होगी जिसका खामियाजा कस्बावासियों को भुगतान पड़ेगा स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग किया हैं कि नाली निर्माण में बरती गई लापरवाही से जो समस्या उभर कर सामने आया हैं उसका मानसून के सक्रिय होने से पहले त्वरित हल किया जाएं।

मानीटरिंग पर उठे सवाल

पूर्व पंच,शकीला कुरैशी ,दिलीप तेकाम, आदि ने कहा कि करोड़ों रुपए की राशि खर्च कर होने वाले हाइवे चैड़ीकरण के निर्माण कार्य को देख कर लगता हैं कि प्रशासन स्तर से इसे देखरेख करने वाला कोई नहीं हैं । इन्होंने मानीटरिंग और परीक्षण पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन कंधों पर सही से काम करवाने की जिम्मेदारी है उनका कही अता पता नहीं उन्हें आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कई माहों से यहां निर्माण कार्य चल रहा हैं, लेकिन आज तक देखने में नहीं आया कि कोई प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी कार्य की गुणवत्ता देखने परखने आया हो या जनप्रतिनिधियों ने जांचा इनके उदासीन रवैए ने निर्माणकर्ताओं के हौंसले और बुलंद किए हैं, जबकि इनके मनमानियों को रोकने के लिए ठेकेदार पर कड़ी निगरानी रखना चाहिए सड़क निर्माण संबंधित विभाग के इंजीनियरों को लागत की तुलना में गुणवत्ता हैं या नहीं नियमित रूप से निरीक्षण करना चाहिए ठेकेदार के साथ अनुबंध में सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता और समय सीमा का उल्लेख करना चाहिए संबंधित मनमानी करने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई होना चाहिए किन्तु दूर दूर तक ऐसा देखने को नहीं मिला यघपि यदि काम पर बराबर नजर रखा गया होता तो यह बेढंगे निर्माण न दिखते लेकिन अफसोस जिनके कहने सुनने से असर होगा वहीं चुप्पी साधे बैठे हैं।

डिवाइडर की मांग

कस्बा के समाजसेवी मनीष गोयल ने जिम्मेदारों का ध्यानाकर्षण करते हुए मांग किया हैं कि हाइवे चैड़ीकरण के साथ कस्बा के बाजार परिसर में डिवाइडर का निर्माण कराया जाएं। इन्होंने बताया कि डिवाइडर के बनने से अनेकों फायदे हैं मसलन दुर्घटना में कमी, आवागमन व्यवस्थित होगा,लोग यातायात के नियमानुसार आना जाना करने के आदि होंगे। खासतौर पर कस्बा की सुंदरता में चार चांद लग जाएगा इसी प्रकार मुख्य चैराहे पर हाईमास्ट जैसे लाइट लगाने की भी मांग लोग कर रहें हैं। यघपि आगे यह देखना दिलचस्प होगा कि स्थानीय लोगों की मांग पर जिम्मेदार सचेत होते हैं या आम दिनों की तरह उनकी मांग ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। कस्बा के राजेश सोनवानी,वीरु बर्मे,सोनसिंह परस्ते ने बताया कि अस्पताल के सामने से लेकर चैराहे तक कीचड़ का साम्राज्य हैं रविवार को बारिश के बाद दोपहिया सवार यहां फिसल कर जमीन पर गिर कर चोटिल हुए हैं जबकि पैदल राहगीर सहित वाहनों से आने जाने वाले को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा हैं।

राष्ट्रपति सचिवालय ने पिपरिया की जमीन घोटाला का लिया संज्ञान, मुख्य सचिव को दिए कार्यवाही के निर्देश

हरिभूमि न्यूज, डिण्डौरी।

जिले की पिपरिया माल बॉक्साइट खदान के लिए बैगाओं की जमीन की खरीद-फरोख्त में धांधली किए जाने और खनन माफिया के इशारे पर दलालों द्वारा बैगा आदिवासियों की जमीन हड़पे जाने को लेकर ग्रामीण लगातार विरोध कर रहे है किंतु अब तक जिला प्रशासन मामले को लेकर किसी कार्यवाही से बचता रहा है। ग्रामीणों के साथ साथ गोंडवाना गणतंत्र पार्टी भी आदिवासियों के साथ संघर्ष करती रही। इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि उक्त मामले को राष्ट्रपति सचिवालय संज्ञान में लेकर, मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव को कार्यवाही के निर्देश दिए है। पिपरिया माल में दलालों और खनिज माफिया के द्वारा बहुमूल्य बॉक्साइट के खनन के लिए संरक्षित बैगा जनजाति को जमीनों से बेदखल करने की साजिश की जा रही थी। जिसको लेकर मीडिया देश और प्रदेश स्तर पर मामला उठा रहा था किंतु जिला प्रशासन इस पर कोई निर्णय नहीं ले पा रहा था। इन्हीं खबरों को याचिका शिकायत के रूप में स्वीकार करते हुए राष्ट्रपति सचिवालय के अवर सचिव गौतम कुमार ने मप्र के मुख्य सचिव को कार्रवाई करने को कहा है। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा भेजी गई उक्त याचिकाशिकायत मुख्य सचिव के पास पहुंचने के बाद अब डिंडोरी जिला प्रशासन भी कार्यवाही को लेकर तत्परता दिखाएगा। जबकि दो दिन पूर्व ग्राम पिपरिया में आयोजित जन कल्याणकारी शिविर में लोगों की इस संबंध में शिकायतें सार्वजनिक किए जाने के बाद भी विधायक और वरिष्ठ अधिकारी औद्योगिक विकास की बात कह रहे थे। डिडोरी के पिपरिया में संरक्षित जनजाति बैगा के हितों को लेकर टकराव की स्थिति है किंतु फिलहाल दलाल निश्चित घूम रहे थे और अपनी गुहार लगाते घूम रहे ग्रामीण बेबस थे । जिले के बैगा चक में बॉक्साइट तथा लेटराइट एलुमिनस की 5 खदानें हैं। 3 खदानें पिपरिया ग्राम पंचायत के पिपरिया माल व जल्दा में आ रही हैं। पिपरिया ए और बी तथा चांडा की तांतर कटनी की आनंद माइनिंग कॉर्पोरेशन को तथा बघरैली सानी कटनी की यश लॉजिस्टिक प्रा. लि. को माइनिंग कॉर्पोरेशन द्वारा खनन के लिए दी गई हैं। दोनों कंपनियां भाजपा के विधायक संजय पाठक के परिवार की हैं। जल्दा में बांदा की मे. प्रीति काम करेगी। डिंडोरी के बैगा आदिवासी बहुल पिपरिया माल सहित अन्य ग्रामों की लगभग 765 एकड़ जमीन बिकी, कटनी जिले के कुछ लोगों के नाम पर खरीदी गई है। उक्त मामले में आगे जिला प्रशासन गंभीरता से विभिन्न तत्वों की पड़ताल करती है तो प्रदेश में व्याप्त माफिया राज के कई कारनामे खुलकर सामने आयेगे।

पूर्व मुख्यमंत्री आयेंगे पिपरिया

उक्त मामले पर अभी तक तमाम आरोपों के बाद स्थानीय कांग्रेस विधायक ओंकार सिंह मरकाम चुप थे। पिछले दिनों एक आयोजन में पिपरिया पहुंचे विधायक ने लोगों की शिकायतें भी सुनी पर उन्होंने किसी बड़ी कार्यवाही का संकेत नहीं दिया था। अब जानकारी मिल रही है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री इस मामले पर जानकारी लेने 31 मई को पिपरिया पहुंचेंगे और ग्रामीणों की शिकायत सुनेगे।

17 दिन बाद फिर छत्तीसगढ़ से लौटे चार हाथी, धनगवां के जंगल में डाला डेरा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। एक अन्य हाथी साथी के साथ चार हाथियों का समूह 17 दिन बाद फिर से छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को रविवार एवं सोमवार की मध्य रात पार करते हुये अनूपपुर जिले के जैतहरी इलाका अंतर्गत धनगवां के जंगल में पहुंचकर दिन में विश्राम कर रहे हैं। हाथियों के एक बार फिर से वापस आने से ग्रामीण अपने जान-माल को लेकर चिंतित है वही वनविभाग ने ग्रामीणों को सतर्क एवं सचेत रहने की सलाह दी है। तीन हाथियों का समूह अनूपपुर जिले में 50 दिन बिताने बाद 8 एवं 9 मई की मध्य रात अनूपपुर जिले के जैतहरी थाना, तहसील एवं वन परिक्षेत्र के चोलना गांव की सीमा को पार कर छत्तीसगढ़ राज्य के वन मंडल एवं वन परिक्षेत्र मरवाही के शिवनी, मरवाही घुसरिया इलाके में चले गए रहे हैं।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, मंगलवार 27 मई 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

उप राष्ट्रपति ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, श्रीमती सुदेश धनखड़, राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषि उद्योग समागम कार्यक्रम परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इस अवसर पर मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह,कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा मौजूद थे।

श्री धनखड़ को राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने दी विदाई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंहपुर कृषि उपज मंडी में आयोजित ष्कृषि- उद्योग समागम 2025 के कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को राज्यपाल मंगुभाई पटेल व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हैलीपेड नरसिंहपुर से विदाई दी। राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ के नरसिंहपुर आगमन पर आभार माना। उप राष्ट्रपति को मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत,मंत्री राव उदयप्रताप सिंह,कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले व पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका ने विदाई दी।

नरसिंहपुर आध्यात्मिकता का केंद्र, यहां का मकर संक्रांति मेला सुप्रसिद्ध - राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि खेती-किसानी देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यह हमारी प्रगति का मूल आधार है। कृषि के क्षेत्र में विकास और नित नए नवाचार जरूरी हैं, इससे कृषि के विकास से ही देश में समृद्धि आएगी। देश का उदर-पोषण करने वाले अन्नदाता की खुशहाली में ही हमारे देश की खुशहाली सन्निहित है।

कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ाने के लिए नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा और मंडला में बन रहे फूड पार्क

116 करोड़ रूपए से अधिक की लागत के 86 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी हुआ

किसानों का जीवन सुधारने के लिए सरकार चला रही किसान कल्याण मिशन-मुख्यमंत्री

उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ सोमवार को नरसिंहपुर जिला मुख्यालय में कृषि उद्योग समागम-2025 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्जवलन, कन्या पूजन एवं भगवान बलराम की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर 26 से 28 मई तक चलने वाले तीन दिवसीय कृषि-उद्योग समागम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. (श्रीमती) सुदेश जगदीप धनखड़ विशेष रूप से उपस्थित थीं। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, सामाजिक न्याय, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, सांसद दर्शनसिंह चैधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायकद्वय विश्वनाथ सिंह व महेंद्र नागेश उपस्थित थे।

किसानों को मिला किसान सम्मान निधि का लाभ

श्री धनखड़ ने कहा कि देशभर में किसानों को हर तरह की सहूलियतें दी जा रही हैं। अब तक 10 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है। उनके खातों में 3 लाख 46 करोड़ रुपए अंतरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को दूध, फल और सब्जियों में देश का नेतृत्व करना चाहिए। कृषि सिर्फ खेती का क्षेत्र नहीं है, इसका उद्योग से बड़ा जुड़ाव है। श्री धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला ऑपरेशन सिंदूर से लिया है। यह ऐतिहासिक घटना है। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना ने सटीक बमबारी की और उनके ठिकाने नष्ट कर दिए।

मुख्यमंत्री की पहल अनुकरणीय

उपराष्ट्रपति ने कृषि उद्योग समागम के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई देते हुए कहा कि उनकी इस पहल का अन्य राज्यों को भी अनुसरण करना चाहिए। किसान हमारे अन्नदाता हैं। अन्नदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि किसान भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता गांव और किसान के खेत से निकलता है। देश में विकसित भारत के लिए महायज्ञ चल रहा है इसमें सबसे बड़ी आहूति किसान भाइयों की ही है। किसान केवल फसल उत्पादन तक सीमित न रहें। उन्हें खाद्य प्रसंस्करण, व्यापार और मार्केटिंग भी सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के किसान भाइयों के परिश्रम से ही विकसित भारत का लक्ष्य पूरा होगा। किसान अधिक से अधिक कृषि आधारित उद्योग स्थापित करें। उन्होंने सुझाव दिया कि अन्नदाता को उद्यमी बनाने के लिए स्थानीय सांसद और विधायक गांवों को गोद लें, किसानों को समृद्ध बनाएं, जिससे खेती में नई तकनीक का इस्तेमाल हो और हर गांव में समृद्धि आए।

कृषि मेलों से किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर जिला मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक विरासत को संजोकर रखने वाला एक प्रमुख केंद्र है। यहां मां नर्मदा के तट पर बरमान में मकर संक्रांति का सुप्रसिद्ध मेला लगता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि मेलों और कृषि उद्योग समागमों के जरिए किसानों को भरपूर लाभ दिया जा रहा है। वहीं हमारे वैज्ञानिक भी तकनीक का उपयोग कर किसानों के लिए नए-नए संयंत्र तैयार करते हैं। दोनों की मेहनत और समन्वय से ही हमारे देश के भंडार अन्न से भरे पड़े हैं।

मध्यप्रदेश कृषि के मामले में शस्य श्यामला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि के मामले में शस्य श्यामला है। नरसिंहपुर पर मां नर्मदा की विशेष कृपा है। नरसिंहपुर जिला दाल का कटोरा है, यहां की तुअर दाल को जीआई टैग मिला है। दाल उत्पादक किसान देशभर में पहचान बना चुके हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। मध्यप्रदेश तो नदियों का मायका है। मध्यप्रदेश 247 नदियों का उद्गम है, जो देश में सर्वाधिक है। यहां घने जंगल नदियों एवं जलराशि को समृद्ध करते हैं। मध्यप्रदेश को मां नर्मदा का आशीर्वाद मिला हुआ है।

किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए लगाए जा रहे किसान मेले

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सर्वाधिक गेहूं उत्पादन में मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है। राज्य सरकार ने किसानों से 2600 रूपये प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा है। नई कृषि तकनीकों और नवाचारों से किसानों का जीवन और बेहतर बनाने के लिए हमारी सरकार मिशन मोड पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन को क्रियान्वित करने के लिए हमारी सरकार ने गरीब, युवा, किसान (अन्नदाता), और नारी के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश में चार मिशन लॉन्च किए हैं। किसान कल्याण मिशन इसी दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। हमने किसानों को 32 लाख सोलर पंप बांटने की योजना लागू की है। किसानों को 90 प्रतिशत अनुदान पर सोलर पंप दिए जा रहे हैं। किसानों को सम्पन्न बनाने के लिए सरकार ने किसान मेले शुरू किए हैं इसमें अन्नदाताओं को अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र दिए जाएंगे।

कृषि उद्योग समागम के शुभारंभ अवसर पर अतिथियों द्वारा नरसिंहपुर जिले में 116 करोड़ रूपए से अधिक की लागत से 86 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि मां नर्मदा के आशीर्वाद से नरसिंहपुर का किसान हर तरह से सम्पन्न है। नरसिंहपुर जिले में मां नर्मदा 123 किलोमीटर तक प्रवाहित होती है। मां नर्मदा की असीम कृपा से यहां के किसान और नागरिक दोनों विकास की धारा की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश में हो रहे निवेश की खुशबू देशभर में फैल रही

नरसिंहपुर में 52 कृषि आधारित औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन और लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मना रहे हैं। यह अद्भुत समय चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश की खुशबू देशभर में फैल रही है। प्रदेश में विकास का क्रम जारी है। इस विकास यात्रा में सभी राज्यों के उद्योगपतियों का स्वागत है। जहां जनप्रतिनिधि, उद्योगपति, अधिकारी साथ में मिलकर प्रदेश के औद्योगिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने 15 औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों को आवंटन आदेश और आशय पत्र वितरित किये। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीक के दौर में हमें टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मेड इन इंडिया का दौर चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में कुल 52 इकाईयों से रू. 4376 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे 6100 से अधिक रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इन निवेश प्रस्तावों के राज्य में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी और युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि नरसिंहपुर जिला गन्ने की फसल के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि गन्ने की फसल के लिए स्प्रिंक्लर सिंचाई का लक्ष्य बढ़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह हमारा संकल्प है कि कृषकों की आय को बढ़ाया जायेगा। राज्य की प्रगतिशील नीतियों से निवेशकों की कठिनाईयों को दूर करने के प्रयास किये जा रहे हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जिले के कृषकों ने अनुसंधान एवं नवीन तकनीकों को अपनाकर प्रदेश और देश की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि नरसिंहपुर प्रदेश का सर्वाधिक गन्ना उत्पादक जिला है, जहां सर्वाधिक शुगर फैक्ट्रियां स्थापित हैं। जिले में कृषि के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में औद्योगिक समृद्धि और कृषि नवाचार के बीच समन्वय स्थापित कर राज्य को नई ऊंचाइयों पर अग्रसर किया जा रहा है। श्री राजपूत ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव (आरआईसी) में स्थानीय उद्योगपतियों को आमंत्रित कर सीधे संवाद की व्यवस्था की गई है, जिससे निवेश और उद्योग स्थापना की प्रक्रियाएं तेज हुई हैं। सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से आवश्यक स्वीकृतियां अब त्वरित गति से प्राप्त हो रही हैं।

प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निवेशकों के हित में बनाई गई नीतियां देशभर में मिसाल बन रही हैं।

उप राष्ट्रपति ने कृषि प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

जैविक उत्पादों, महिला सशक्तिकरण और नवाचारों की प्रशंसा की

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषि प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कृषि प्रदर्शनी में आधुनिक कृषि तकनीकों, यंत्रों और नवाचारों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में ड्रोन आधारित कृषि तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त उपकरण, पॉवर स्प्रेयर, सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र, जैविक एवं नैनो फर्टिलाइजर सहित विविध नवीनतम संसाधनों को प्रदर्शित किया गया।

उप राष्ट्रपति ने प्रदर्शनी में कृषकों से प्रत्यक्ष संवाद कर उत्पादों की गुणवत्ता, तकनीक एवं विपणन के विषय में जानकारी ली तथा उनके नवाचारों की सराहना की। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के प्रयासों की सराहना की एवं उन्हें आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए सशक्त कड़ी बताया। इस दौरान उनकी पत्नी श्रीमती सुदेश धनखड़ ने स्वसहायता समूह द्वारा यहां लगाई गई स्टॉल में स्वसहायता समूह की महिलाओं के साथ हाथ चक्की से अरहर दाल भी बनाई। प्रदर्शनी में अधिकारी- कर्मचारी और किसान व नागरिक मौजूद थे।

जल संरचनाओं को मूर्तरूप देने की जरूरत

भौंरपानी बांध बनने से हजारों एकड़ भूमि सिंचित होने के साथ बढ़ जाता जलस्तर

तेंदूखेड़ा। जल संरक्षण और पानी सहेजकर जमीनी जल स्तर बढाये जाने की दिशा में जल संरचनाओं को मूर्तरूप दिये जाने की महती आवश्यकता है।कोरे गाल बजाने और ढिंढोरा पीटकर कागजी घोड़े दौड़ाने की खानापूर्ति, और विभिन्न नदियों पर बांध बनाये जाने की घोषणायें भी खूब की गई है। लेकिन अब इन्हें अमल में लाने की जरूरत है।तेंदूखेड़ा क्षेत्र के साथ हमेशा से चल रहे उपेक्षित नजरिये के कारण वर्षों से आस लगाये बैठे लोगों की जामुनपानी, भौंरपानी, पहाड़ियों के बीच एक जलाशय योजना केवल राजनैतिक इच्छाशक्ति के अभाव में फाइलों में ही दफन हो गई। स्थानीय नागरिकों और सजग वर्ग द्वारा जरुर समय-समय पर यह विषय उठाया गया लेकिन उनकी आवाज भी नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह गई।भौरपानी जलाशय दो दशक पूर्व से ही पानी की कमी के चलते इसकी उपयोगिता कृषि क्षेत्र के लिए पानी उपलब्ध कराने फिर जमीनी जल स्तर बढ़ाने के लिए दूरदर्शी सोच के साथ यह विषय उठाया गया था। जैसे तैसे संबंधित पीएच ई विभाग के अधिकारियों ने वेमन से जब फाइलें दौड़ाना प्रारंभ की गई तो बीच में वन मंत्रालय का रोड़ा आने फिर उसकी भी मंजूरी मिलने तक समय निकल गया। मंजूरी मिलने के बाद यह स्पष्ट हुआ कि इस जलाशय के निर्माण होने के उपरांत लगभग 1350 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी दो नहरें भी बनेंगी जिससे आलनपुर ढिलवार और काचरकोना तक की कृषि भूमि को सिंचित किया जा सकेगा।गतिविधी प्रारंभ होने और स्वीकृति के पूर्व ही ऊर्जा विभाग की सिवनी से बीना तक बड़ी हाई-टेंशन लाइन का एक खंबा इस जलाशय के डूब क्षेत्र में आ जाने के कारण फिर सब दिन चले अढ़ाई कोस की स्थिति बनी और आज भी केवल भौंरपानी जलाशय सपना बनकर रह गया। बड़ी लाइन के खंबे खड़े होते समय ही तत्कालीन जनप्रतिनिधियों द्वारा सामूहिक प्रयास हो जाते तो शायद आज जलाशय मूर्त रूप ले लेता। यदि यह जलाषय मूर्तरूप ले लेता है तो जहां हजारों एकड़ जमीन सिंचित होगी, वहीं जमीनी जलस्तर बढने से आये दिन होने वाली पानी की समस्या से भी निजात मिल सकेगा। नदियों पर नहीं बन पा रहे स्टाप डेम आज जमीनों की कोख से सर्वाधिक पानी तो खींचा जा रहा है और नर्मदा नदी से पानी लाकर प्यास बुझाई जा रही है लेकिन जल स्तर बढ़ाने की दिशा में कोई उचित व्यवस्था नहीं हो पा रही है। यदि इसी तरह से दोहन होता रहेगा तो निश्चित तौर पर आने वाले समय में हाथ मलने के अलावा और कुछ नहीं रह जायेगा। तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बरांझ पांडाझिर और सिंदूर नदी लगभग नर्मदा उत्तराखंड के बहुत बड़े भूभाग को कबर करतीं हैं।इन पड़ोसी नदियों पर स्टाप डेम बनाने की मांग जिला मुख्यालय से लेकर विधानसभा तक गई लेकिन अधिकारियों में इच्छाशक्ति के अभाव के कारण इन नदियों पर स्टाप डेम सर्वे होने के बाद भी नहीं बन सके। तीनों नदियों पर स्टाप डेम वनने से आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के हैंडपंपो और ट्यूव वेलों का जमीनी जल स्तर भी बढ़ सकता था। लोगों को निस्तार के लिए पानी और मवेशियों जंगली जानवरों की प्यास भी बुझती लेकिन आज तक इस दिशा में शासन प्रशासन के द्वारा कोई उचित पहल नहीं की गई।स्वयं के खर्च पर खमरिया के समीप क्षेत्रीय विधायक ने वरांझ नदी पर एक स्टाप डेम बनवाया था जिसकी सुखद स्थिति वहां के लोगों को मिल रही है नदी में अभी भी पानी रहने के साथ हैंडपंपो में पानी निकल रहा है।

जमीनी जल स्तर बढ़ाने हों सामूहिक प्रयास

लगातार धरती के सीने मे खोदे जा रहे बड़ी संख्या मे गड्ढों और सिंचाई के कारण गिरते जमीनी जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में सामूहिक प्रयास नहीं किये गये तो यह समस्या हम सब की गले की फांस बन जायेगी। कुछ प्रयास स्थानीय स्तर पर भी स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से जनभागीदारी से अभियान चलाकर किये जा सकतें हैं। हेंडपंपो के किनारे या बहते हुए पानी को सोकपिट बनाकर जल-संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। पूर्व में कुछ अधिकारियों के द्वारा स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ जाकर वस्तु स्थिति का जायजा लिया था लेकिन इस दिशा में आज तक कोई उचित पहल नहीं हो सकी है।राष्ट्रीय वाटर शेड के तहत तेंदूखेड़ा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर जहां तहां छोटे छोटे चेक डेम बनाकर जल स्तर बढ़ाने की दिशा में प्रयास करने की महती आवश्यकता के साथ बड़ी संरचनाओं को बढ़ावा देने पर ही उद्देश्य अपने मुकाम तक पहुंच पायेगा।

भारतीय किसान संघ ने किसानों से संबंधित समस्याओं के निदान की अपेक्षा करते प्रशासन को ज्ञापन सौंपा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भारतीय किसान संघ ने बीते दिवस कृषि वं किसानो से संबंधित समस्याओ के शीघ्र निदान की अपेक्षा करते हुये मांग मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सोपा। ज्ञापन में उल्लेख है कि वर्तमान में किसानो की ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल आने की स्थिति में है समर्थन मूल्य पर खरीदी न होने के कारण किसान प्रति क्विंटल अपनी उपज 1000 से 1500 रू. कम बेचने हेतु मजबूर है । नरसिंहपुर जिले में कृषि सिंचाई हेतु लगभग 90,000 से अधिक कनेक्शन एवं 30,000 ट्रांस्फार्मर, 103 पावर ट्रांस्फार्मर, तथा 90 सब स्टेशन है फिर भी जिले में ट्रास्फार्मर जलने पर जबलपुर से बुलवाये जाते है जिनको बदलने में लगभग 10-15 दिन का समय लग जाता है जिससे किसानों को ग्रीष्मकालीन फसल में भारी नुकसान उठाना पडता है। जिले में ट्रांस्फार्मर जलने पर 45 दिन में बदले गये है इसलिये ट्रांस्फार्मर जलने पर देरी से बदलने के कारण किसानो की फसल में होने वाली क्षति की भरपाई विद्युत कंपनी द्वारा किराये जाने हेतु कठोर नियम बनाये जावें तथा ट्रांस्फार्मर बदलने हेतु एम्बुलेन्स सेवा प्रदाय की जावें एवं 24 घंटे में ट्रांस्फार्मर बदलने के कठोर नियम बनाये जावे। कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर का प्रांगण 15 एकड में स्थित है जिसमें 2.5 एकड सेन्ट्रल वेयर हाउस एवं 0.688 हे० भूमि जिला विपणन संघ इस तरह 4.20 एकड भूमि लीज पर आवंटित है शेष रकवा 10.80 एकड मंडी के लिये आरक्षित है जिसमें 8 शेड निर्मित है जिनकी भण्डारण क्षमता 8000 क्वंटल है जो मक्का फलस को छोडकर अन्य फसलो के पर्याप्त थी विगत 4 वर्षों से मक्का नरसिहपुर की प्रमुख फसल है जिसका उत्पादन अन्य फसलो की अपेक्षा लगभग 4 गुणा ज्यादा होने के कारण मक्का सीजन पर (25000 से 30,000 क्विंटल प्रतिदिन) मंडी परिसर एवं मंडी के बाहर प्रत्येक खाली जगह पर मक्के के ढेर लग जाते है जिससे मंडी मार्ग प्रभावित होता है। भारतीय किसान संघ ने इन समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की है।